Under CSR Support by ipca Foundation missiongyan

अध्याय – 01 | सूरदास

QUIZ-01

1. **सूरदास का जन्म किस वर्ष में माना जाता है?**
   A. 1450 B. 1478
   C. 1511 D. 1583 (B)

व्याख्या : सूरदास के जन्म का वर्ष 1478 माना गया है।

2. **सूरदास के जन्मस्थान को लेकर प्रचलित मान्यताएँ कौन-सी हैं?**
   A. अयोध्या और काशी
   B. पंढरपुर और पुष्कर
   C. मथुरा का 'रुनकता/रेणुका क्षेत्र' और दिल्ली का 'सीही'
   D. गोकुल और वृंदावन (C)

व्याख्या : एक मत के अनुसार उनका जन्म मथुरा क्षेत्र में हुआ और दूसरे मत के अनुसार दिल्ली के 'सीही' गाँव में।

3. **सूरदास के गुरु कौन बताए गए हैं?**
   A. कबीर B. महाप्रभु वल्लभाचार्य
   C. नामदेव D. तुलसीदास (B)

व्याख्या : सूरदास के गुरु महाप्रभु वल्लभाचार्य माने जाते हैं।

4. **सूरदास की प्रसिद्धि का प्रमुख आधार कौन-सी रचना मानी जाती है?**
   A. रामचरितमानस B. साकेत
   C. सूरसागर D. पद्मावत (C)

व्याख्या : सूरदास की ख्याति का सबसे बड़ा आधार उनकी रचना 'सूरसागर' है।

5. **सूरदास किस रस के प्रमुख कवि माने जाते हैं?**
   A. श्रृंगार रस B. वीर रस
   C. वात्सल्य रस D. करुण रस (C)

व्याख्या : सूरदास वात्सल्य रस के प्रमुख कवि माने जाते हैं।

6. **सूरदास का निधन (विलयन) किस वर्ष और किस स्थान पर माना गया है?**
   A. 1511, अयोध्या B. 1583, पारसौली
   C. 1478, मथुरा
   D. 1600, वृंदावन (B)

व्याख्या : सूरदास का निधन 1583 में पारसौली में हुआ था।

7. **पद में किससे संबोधन किया गया है— "ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी"?**
   A. अर्जुन B. उद्धव
   C. अक्रूर
   D. बलराम (B)

व्याख्या : इस पद में गोपियाँ उद्धव को संबोधित कर रही हैं।

8. **गोपियों ने अपने प्रेम की तुलना किससे की है?**
   A. पतंगे का अग्नि से प्रेम
   B. जल में कमलपत्र का प्रेम
   C. योगी का योग से प्रेम
   D. चींटी का गुड़ से प्रेम (D)

व्याख्या : प्रेम की गहनता व्यक्त करने हेतु गोपियों ने चींटी और गुड़ की उपमा दी है।

9. **उद्धव के अनुराग-रहित (अपरस) मन को किस उपमा से व्यक्त किया गया है?**
   A. पत्थर पर जल की बूँद
   B. जल में तेल की गागर
   C. धूप में हिमकण
   D. भँवरे का फूल से अलगाव (B)

व्याख्या : पद में तेल भरी गागर पर जल की बूँद का ठहराव न होना, उद्धव के अनुरागहीन मन का प्रतीक है।

10. **"गुर चाँटी ज्यों पागी" में प्रतीक-संबंध सही क्या है?**
    A. गुर = उद्धव, चींटी = कृष्ण
    B. गुर = कृष्ण, चींटी = गोपियाँ
    C. गुर = गोपियाँ, चींटी = उद्धव
    D. गुर = योग, चींटी = योगी (B)

व्याख्या : यहाँ गुड़ कृष्ण का प्रतीक है और चींटी गोपियों का—जो कृष्ण प्रेम में पूर्ण रूप से आकृष्ट हैं।

मिशन ज्ञान जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें! 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App